Semester II

Pedagogy History 7 A

Unit VI: Examination and Evaluation of History

a. Introduction
b. Meaning of Evaluation
c. Difference Between Evaluation And Measurement
d. Purpose of Evaluation
e. Techniques of Evaluation.
f. Essay Type Test.
g. New Type Tests or objective Type Tests
h. Types of objective Type Tests.
i. Defects of New Type Tests.
j. comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
K. History Teacher And Evaluation Programme.
L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

(ख) नई प्रणाली या वस्तुनिष्ठ परीक्षण
(NEW TYPE TESTS OR OBJECTIVE TYPE TESTS)

मनोविज्ञान ने शिक्षा को अत्यन्त महत्त्वपूर्ण देन प्रदान की है। मनोवैज्ञानिकों ने परीक्षा की कुछ नवीन विधियाँ निकाली हैं। इन विधियों का प्रयोग आजकल सभी विषयों में लोकप्रिय हो गया है। इन विधियों के अन्तर्गत परीक्षार्थी से छोटे-छोटे प्रश्न पूछे जाते हैं और थोड़े समय में उनका उत्तर देना पड़ता है, ये परीक्षाएँ कई प्रकार की हैं। इन परीक्षाओं द्वारा सत्यासत्य, तिथि-ज्ञान, तथ्य-ज्ञान और विचार-ज्ञान की जाँच छोटे-छोटे प्रश्नों द्वारा ली जाती है। इस प्रणाली में वे सब गुण विद्यमान हैं जो एक उत्तम परीक्षा में होने चाहिए। वस्तुनिष्ठ जाँच में उत्तम परीक्षण के गुण पाये जाते हैं। इन गुणों का विवेचन नीचे दिया जा रहा है—

(1) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)—नवीन प्रणाली की जाँचों में यह गुण पाया जाता है। वस्तुनिष्ठता का अभिप्राय वैयक्तिक तत्त्वों के निष्कासन से है। प्रश्न के उत्तर को चाहे एक ही परीक्षक जाँचे अथवा अनेक, माप में भिन्नता न हो। प्रश्न ऐसे होने चाहिए जिनके उत्तर एक ही हों, जिससे परीक्षक का व्यक्तिगत पक्षपात, उसकी मनोदशा, छात्रों की भाषा-शैली आदि का प्रभाव उसके निर्णय पर न पड़ सके।

(2) वैधता (Validity)—जिस वस्तु-विशेष की हम जाँच करना चाहते हैं। यदि परीक्षण किसी अन्य वस्तु की जाँच न करके उसी की जाँच करता है तो हम उस परीक्षण को वैध मानते हैं, नवीन प्रणाली के परीक्षणों में यह गुण पाया जाता है।

(3) विश्वस्तता (Reliability)—परीक्षण द्वारा हम जिस वस्तु को जाँचना चाहते हैं, वह किस सीमा तक शुद्ध एवं सम्यक रूप में जाँची जा सकती है, जिससे हम उसके निर्णयों या परिणामों पर विश्वास कर सकें; उदाहरणार्थ यदि विश्वसनीय परीक्षण द्वारा किसी छात्र की जाँच की जाती है तो उससे प्राप्त अंकों में कोई वृद्धि या कमी नहीं होनी चाहिए, चाहे उसके प्रयोग में समय का अन्तर क्यों न हो। नवीन प्रणाली की जाँच में यह गुण पाया जाता है।

(4) अंकन की सरलता (Easy in Scoring)—उत्तम परीक्षणों में अंकन करना सुगम है। इनके प्रयोग में कम से कम समय में अधिकाधिक उत्तर-पुस्तिकाओं का अंकन किया जा सकता है। नवीन प्रणाली की जाँचों में यह गुण प्राप्त होता है।

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner